Title: Demand to meet the shortage of insuline vaccine for the treatment of diabetes in the country.

13.00 hrs.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ वार्ों से इस देश में डायबिटीज की बीमारी बड़ा भंयकर रूप लेती जा रही है। इस बीमारी के इलाज के लिये एक महत्वपूर्ण दवा इन्सुलिन की कमी सारे देश मे हो रही है। यह विशेा दवा दो स्रोतों - एक ह्युमन इन्सुलिन मिलती है जो महंगी होती है जिसे आम आदमी इस्तेमाल नहीं कर पाता जबकि दूसरी, जो एनीमल वेस्ट इन्सुलिन, जो सस्ती होती है, इसे आम गरीब आदमी इस्तेमाल करता है। देश के अंदर इसका भंयकर अकाल पड़ा हुआ है और इस कारण देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लोग डायबिटीज बीमारी का इलाज नहीं करा पा रहे हैं। इसका कारण यह है कि महंगी दवा उन गरीब लोगों की आर्थिक क्षमता से परे है। डाक्टर्स ने रिपोर्ट दी है कि दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में बच्चों तक को डायबिटीज की बीमारी हो रही है। अगर तत्काल सरकार ने कार्यवाही नहीं की तो बच्चो पर इसका गम्भीर असर पड़ेगा। शूगर लैवल बढ़ने के कारण वह कॉमा में जा सकता है। मैं चाहता हूं कि सरकार इस मामले की तत्काल गंभीरता समझे। यह मालूम हुआ है कि मल्टी नैशनल कम्पनीज ह्युमन इन्सुलीन इसलिये बना रही हैं कि यह उन्हें सूट करता है और महंगी बिकती है और ट्टट्टऐनीमल बेस्ड इन्सुलीन बनाना बंद कर दिया है जिससे बाजार में इसकी कमी बनी हुई है। सरकार ऐनीमल बेस्ड इन्सुलीन गरीब और आम आदमी को सस्ते दर पर बाजार में उपलब्ध करना सुनिश्चित करे। स्वास्थ्य मंत्री यहां बैठे हुये हैं, वे सदन को आश्वासन दें कि सरकार क्या कार्यवाही करना चाहती है